प्रारम्भिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

पंचदश बिहार विधान सभा के पंचम सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर नये वर्ष की शुभकामनाओं के साथ आपसबों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

वर्त्तमान सत्र के दौरान कुल-29 बैठकें होंगी, जिसमें महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर विमर्श के लिए 02 दिन, वित्तीय वर्ष 2012-13 के वार्षिक आय-व्यय पर सामान्य विमर्श के लिए 02 दिन, विभिन्न विभागों की मांगों पर विमर्श के लिए 14 दिन, राजकीय विधेयक के लिए 02 दिन, गैर सरकारी संकल्प के लिए 02 दिन, विनियोग विधेयक के लिए 02 दिन, तृतीय अनुपूरक विवरणी के लिए 01 दिन प्रस्तावित है । इस सत्र में कृषि रोड मैप पर आपके विचार एवं सुझाव जानने के लिए 02 दिनों तक विचार-विमर्श का भी विशेष कार्यक्रम है ।

आज हमारा बिहार विकास की नई मंजिल की ओर अग्रसर है । जन-प्रतिनिधि होने के नाते हम सभी की जिम्मेदारियाँ इस नये परिवेश में महत्वपूर्ण हो गई है । बिहार ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण देश एवं दुनिया की आशा भरी निगाहें हमारी ओर लगी है । इस हेतु सदन के कार्यों को प्रभावशाली एवं लोक उपयोगी बनाने के लिए सत्ता पक्ष को सकारात्मक एवं विपक्ष को रचनात्मक भूमिका निभानी होगी ।

नेपाल का संसदीय अध्ययन दल दिनांक 23 दिसम्बर, 2011 को बिहार में हुए विधि व्यवस्था में सुधार तथा विभिन्न क्षेत्रों में विकास के संबंध में बिहार विधान सभा के समिति कक्ष में बैठक कर जानकारी प्राप्त की । उक्त बैठक में माननीय संसदीय कार्य मंत्री, माननीय नेता, प्रतिपक्ष तथा विधान सभा के संसदीय समितियों के माननीय सभापतियों ने बिहार के संबंध में आवश्यक जानकारी दी । सभी महानुभावों ने दोनों देशों के बीच और प्रगाढ़ संबंध बनाने के साथ-साथ नेपाल एवं बिहार को जलविद्युत एवं बाढ़ नियंत्रण तथा विकास के अन्य कार्यों में मिल-जुलकर कार्य करने की आवश्यकता बतलाई ।

भूटान के गरीबी उन्मूलन संबंधी संसदीय समिति के साथ दिनांक 13 फरवरी, 2012 को बिहार विधान सभा के समिति कक्ष में बैठक हुई, जिसमें माननीय संसदीय कार्य मंत्री तथा विधान सभा के तीनों वित्तीय समितियों के माननीय सभापति के साथ बिहार सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के पदाधिकारियों ने भाग लिया । बिहार में चल रहे गरीबी उन्मूलन के कार्यक्रमों की जानकारी प्रधान सचिव, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा **Power Presentation** के माध्यम से दी गई । भूटान के संसदीय समिति ने बिहार में हुए गरीबी उन्मूलन के प्रयासों की सराहना की । भारत एवं भूटान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के साथ-साथ भूटान एवं बिहार को जलविद्युत परियोजना विकास एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में मिल-जूलकर कार्य करने की आवश्यकता बतलाई गई । भूटान के संसदीय दल के सभापति महोदय ने माननीय सदन नेता श्री नीतीश कुमार के भूटान यात्रा को ऐतिहासिक बतलाया । साथ ही बिहार विधान सभा के प्रतिनिधिमंडल को भूटान यात्रा के लिए आमंत्रित भी किया ।

केरल, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखण्ड एवं जम्मू-कश्मीर के माननीय अध्यक्ष महोदय से दिनांक 15 फरवरी, 2012 को संसदीय प्रक्रिया के संबंध में विचार-विमर्श हुआ । इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष एवं सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक भी उपस्थित थे । सभी ने लोकतांत्रिक संसदीय प्रक्रिया को और प्रभावशाली बनाने हेतु अपना विचार रखते हुए अखिल भारतीय पीठासीन पदाधिकारियों के बैठक के निर्णय के आलोक में सदन की अवधि बढ़ाने की आवश्यकता बतलाई । सभी माननीय अध्यक्षों ने बिहार में वर्त्तमान सत्र की अवधि बढ़ाने की सराहना की ।

मुझे सदन को यह जानकारी देते हुए प्रसन्नता हो रही है कि दिनांक 29 फरवरी, 2012 को पड़ोसी राष्ट्र चीन के युवा वर्ग का एक 70 सदस्यीय दल को बिहार विधान सभा का सत्र 2:00 बजे अपराह्न से दिखलाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है ।

बिहार विधान सभा की संसदीय एवं विधायी प्रक्रिया में हो रहे गुणात्मक विकास आज हमारे देश के दूसरे राज्यों ही नहीं वरन् अन्तर्राष्ट्रीय समुदायों को हमारी ओर आकर्षित कर रहा है, जो बिहार के लिए गौरव की बात है । मुझे पक्ष एवं प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यों से अपेक्षा है कि आप अपने उत्कृष्ट विचार, शालीनता एवं उच्च आदर्श प्रस्तुत कर इस सभा को महिमामंडित करेंगे ।

पूर्व की भाँति सदन में प्रश्नोत्तरकाल का आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं विभिन्न स्थानीय चैनलों से सीधा एवं डेफर्ड प्रसारण कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे सदन में आपकी गतिविधियों से बिहार की जनता सीधे रू-ब-रू हो सके ।

इस सत्र में माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं को पूर्व की तरह सदन की कार्यवाही दिखलाने की व्यवस्था की गई है, जिससे हमारी नई पीढ़ी को संसदीय प्रणाली की जानकारी होगी ।

मुझे आशा और विश्वास है कि सत्र के सफल संचालन में नियमों एवं परम्पराओं के अनुरूप आप सभी का सहयोग प्राप्त होगा ।

❄❄❄❄❄